भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2578

9 जुलाई, 2019 को उत्तरार्थ

विषय: राष्ट्रीय किसान नीति

2578. श्री मुकेश राजपूतः

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विचार राष्ट्रीय किसान योजना/राष्ट्रीय किसान नीति बनाने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार को जानकारी है कि ज़ायद फसल मौसम के दौरान खरीफ फसलें उगाई जा रही हैं जिससे भूजल स्तर में तेज गिरावट हो रही है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) एवं (ख): जी, नहीं। राष्ट्रीय किसान योजना/राष्ट्रीय किसान नीति तैयार करने के प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जा रहा है।

(ग) से (ड.): राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम)-दलहन के तहत शामिल 15 राज्यों में क्षेत्र विस्तार के माध्यम से रबी/ग्रीष्म 2018-19 के दौरान दलहन के अतिरिक्त क्षेत्र कवरेज कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। इस वजह से भू-जल कम होने से संबंधित रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) घटक का कार्यान्वयन कर रहा है जिसका फोकस सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकी अर्थात ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों के जरिए खेत में जल उपयोग कुशलता बढ़ाना है।

इसके अलावा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने अन्य बातों के साथ-साथ किफायती, स्थान विशिष्ट आधुनिक सस्यविज्ञानीय पद्धतियां विकसित की है जैसे वैकल्पिक फरो सिंचाई, फसल विविधीकरण एवं देश में अधिक फसल उत्पादकता के साथ-साथ बेहतर जल उत्पादकता सुनिश्चित करने के लिए कम जल की आवश्यकता वाली किस्में शामिल हैं। जल संरक्षण तकनीकों एवं उपकरणों के लिए डीएसीएण्डएफडब्ल्यू की विभिन्न योजनाओं के जरिए राज्यों को सहायता दी जाती है।

जल शक्ति अभियान- पूरे देश में 256 जिलों के 1592 ब्लॉक में जल संरक्षण एवं जल सुरक्षा के लिए अभियान की शुरूआत की गई है जिसमें कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग सूक्ष्म सिंचाई के विषय में जागरूकता बढ़ाने, बदलते हुए फसलन पैटर्न, वैकल्पिक फसलों के संवर्धन, मशीनीकरण के लिए भाग ले रहा है।